नज़र से नज़र यु ना श्याम चुराओ

नज़र से नज़र यु ना श्याम चुराओ,
नजर से नजर को ज़रा तुम मिलाओ,

निगाहों से अश्को का बादल बरसता,
मगर मीन सा मन फिर भी तरस ता,
है प्यासा ये मन प्यास इसकी भुजाओ,
नजर से नजर को .....

जुदाई में इतना तेरी जल चुकी हु,
मैं दिखती हु केवल मगर मिट चुकी हु,
जो पहले मिटा हो उसे न मिटाओ,
नजर से नजर .....

दिखाओ तो किसको जखम मैं दिखाऊ,
बताओ तो मैं किस को दर्द बताऊ,
नही कोई मेरा तुही श्याम आओ,
नजर से नजर .....

चले आओ अब तो करो न बहाना,
मोहबत में तेरी बुलाया जमाना,
भुला बेठी सब कुछ ना मुझको भुलाओ,
नजर से नजर.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3157/title/nazar-se-nazar-ju-naa-shyam-churao-najar-se-najar-ko-zara-tum-milao

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |